>

Title: Need to formulate a comprehensive scheme for development of naxal-affected States in the country.

श्री कामेश्वर बैठा (पलामू): मैं केन्द्र सरकार का ध्यान देश में दिनों–दिन बढ़ती नक्सलवाद की समस्या की तरफ आकृष्ट करना चाहूंगा।

नक्सलवाद, बेरोजगारी, भुखमरी, सूखा, सामाजिक–आर्थिक विकास एवं शिक्षा की कमी से उत्पन्न समस्या है।

नक्सलवाद को ग्रीन हंट अभियान चलाकर मिटाया नहीं जा सकता है। इससे नक्सलवाद का और व्यापक रूप से भोली भाली जनता के बीच प्रसार प्रचार होगा तथा नक्सलवाद की समस्या बढ़ेगी।

नक्सलवाद को मिटाने के लिए नक्सल प्रभावित राज्यों में बेरोजगारी खत्म करने के लिए कुटीर उद्योग, बड़े बड़े उद्योग लगाने होंगे, पानी तथा सिंचाई के अभाव में मरू भूमि हुई राज्यों तथा जिलों में सिंचाई पानी की स्थायी व्यवस्था करनी होगी, जनता पुलिस के बीच विश्वास पैदा करना होगा। प्रत्येक पांच सौ आबादी वाले गांवों में स्कूल खोलने होंगे, सबके लिए रोजी–रोटी की व्यापक रूप में व्यवस्था करनी होंगी। इस तरह विकास का कार्य करने से नक्सलवाद को खत्म किया जा सकता है।

विकास के लिए आई.ए.पी. की दो लाख तक की ही योजनाएं ली जायें एवं इसके चयन में स्थानीय सांसदों की भागीदारी निश्चित हो, ताकि अधिक से अधिक गरीब जनता को इस योजना का लाभ मिल सको बड़ी–बड़ी योजनाएं बड़े–बड़े लोगों के लिए टेन्डर (निविदा) के लिए नहीं ली जाएं।

अतः मैं भारत सरकार से नक्सल प्रभावित राज्यों में एक विशेष विकास का जाल बिछाने के लिए मांग करता हूं ताकि विकास एवं उद्योग के सहारे नक्सलवाद को मिटाया जा सके।